

DPN 6225

Title : विभिन्न न्यास / VI BHI NNA NYĀSA VA DHYĀNA
व
ध्यान

Run. No. 6916

Cat. No.

Micro. No.

Subject ^{तान्त्रिक, वैष्णव विधि} Tāntrikakāṇḍa Religion : Hindu / Bauddha
Tantric Ritual

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 19.7 X 8.5

Folios 80

Lines (in a page) 7

नया दिशा
new direction.

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. : कृताक्षरमन्त्र / kṛtākṣaramantra

Material : palmleaf / paper / thyaṣaphu /

program

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon : अथ मातृकान्यासः । इति अन्तर्मातृकान्यासः ।

इति शुद्धरूपसृष्टिमातृकान्यासः ॥ इति बिन्दुयुक्तसंहारमातृका (न्यासः) ॥ इति बिन्दुयुक्तविसर्ग-
स्थितिमातृकान्यासः ॥ इति गणेशन्यासः ॥ इति ग्रहन्यासः ॥ इति कलषहृन्त्यासः ॥ इति नक्षत्रवृन्दन्यासः ॥
इति विशुद्धचक्रडाकिनीन्यासः ॥ इति अनाहतचक्रडाकिनीन्यासः ॥ इति माणिपूरुषचक्रडाकिनी-
→

न्यासः ॥ इति स्वाधिस्थानस्य काकिनीन्यासः ॥ इति मूलाधारस्य साकिनीन्यासः ॥ इति अशाचक्रस्य
हाकिनीन्यासः ॥ इति योनीन्यासः ॥ इति शशिन्यासः ॥ इति पीठन्यासः ॥ इति पूर्वपौठान्यासः ॥ इति नव-
योगिन्यासः ॥ इति वासिन्यादिवाग्देवतान्यासः ॥ इति योगपीठन्यासः ॥ इति षडासनन्यासः ॥ इति चक्र-
न्यासः ॥ इति चतुर्थीन्यासः ॥ इति इन्द्रपञ्चकन्यासः ॥ इति अर्धोत्तरन्यासः ॥ इति शकाद्यालिषा (षो) न्यासः ॥
इति घोषिकाष्टन्यासः ॥ इति रुद्रखण्डन्यासः ॥ इति मातृखण्डन्यासः ॥ इति मन्त्रखण्डन्यासः ॥ इति त्रिखण्डन्यासः ॥
इति बीजपञ्चकन्यासः ॥ इति षडाकिनीषट्कं न्यासः ॥ इति पश्चिमपौठान्यासः ॥ इति कालासंपुटिनमातृका-
न्यासः ॥ इति श्रीविद्यापुटिनमातृकान्यासः ॥ इति तन्मातृकपुटिना मातृकान्यासः ॥ इति नवाक्षरीन्यासः ॥
(सिद्धिलक्ष्मीनवाक्षरीन्यासः) । अथ गुह्यकालिन्यासः ॥ इति (गुह्यकाली) न्यासः ॥

श्रीवालाके पीछा झंझास पुजा विधि पुराण

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

5

लाशांमंर ॥ खवर्जलिपालसुगांर ॥ खवर्जगुलिआशांर ॥
जवचूकलि ॥ ६ंर ॥ जवपूलि ॥ ७ंर ॥ जवगुठिशांर ॥ जवका
लापा ॥ ८ंर ॥ जवकाजासांशांर ॥ खवचूकलि ॥ ९ंर ॥
खवपूलि ॥ १०ंर ॥ खवगुठि ॥ ११ंर ॥ खवकाजासांशांर ॥ १२ंर ॥
खवकासांशांर ॥ १३ंर ॥ जववकशांर ॥ १४ंर ॥ खववक ॥ १५ंर ॥ १६ंर ॥
१७ंर ॥ नाहि ॥ मंर ॥ नूगलकशांर ॥ १८ंर ॥ नूगलशांर ॥ १९ंर ॥
जववादाशांर ॥ २०ंर ॥ खववादा ॥ २१ंर ॥ मिसखा ॥ २२ंर ॥

जवराकशांर ॥ खवराकशांर ॥ मंर ॥ नूगलनलात्तेशाजव
खवशांर ॥ २३ंर ॥ नूगलनगुनित्तेशाजवशांर ॥ २४ंर ॥ नूगलकशांर ॥
कंनम ॥ २५ंर ॥ २६ंर ॥ २७ंर ॥ २८ंर ॥ २९ंर ॥ ३०ंर ॥ ३१ंर ॥ ३२ंर ॥ ३३ंर ॥ ३४ंर ॥ ३५ंर ॥
३६ंर ॥ ३७ंर ॥ ३८ंर ॥ ३९ंर ॥ ४०ंर ॥ ४१ंर ॥ ४२ंर ॥ ४३ंर ॥ ४४ंर ॥ ४५ंर ॥ ४६ंर ॥ ४७ंर ॥ ४८ंर ॥ ४९ंर ॥ ५०ंर ॥
५१ंर ॥ ५२ंर ॥ ५३ंर ॥ ५४ंर ॥ ५५ंर ॥ ५६ंर ॥ ५७ंर ॥ ५८ंर ॥ ५९ंर ॥ ६०ंर ॥ ६१ंर ॥ ६२ंर ॥ ६३ंर ॥ ६४ंर ॥ ६५ंर ॥ ६६ंर ॥ ६७ंर ॥ ६८ंर ॥ ६९ंर ॥ ७०ंर ॥
७१ंर ॥ ७२ंर ॥ ७३ंर ॥ ७४ंर ॥ ७५ंर ॥ ७६ंर ॥ ७७ंर ॥ ७८ंर ॥ ७९ंर ॥ ८०ंर ॥ ८१ंर ॥ ८२ंर ॥ ८३ंर ॥ ८४ंर ॥ ८५ंर ॥ ८६ंर ॥ ८७ंर ॥ ८८ंर ॥ ८९ंर ॥ ९०ंर ॥
९१ंर ॥ ९२ंर ॥ ९३ंर ॥ ९४ंर ॥ ९५ंर ॥ ९६ंर ॥ ९७ंर ॥ ९८ंर ॥ ९९ंर ॥ १००ंर ॥

५५
कुसुममपिधानम॥ गिलसि॥ दवीगम्यगिच्छन्दसनम॥
मन्त्रे॥ श्रीमहाकासलस्यगिदवगसेनम॥ रुदि॥ रुलावीडा
यनम॥ नरो॥ स्वनासकयन॥ गुच्छ॥ अयककीलकपाद
शाममयीविशीगत्वेनचासविनिशाग॥ पृष्ठवगूकलखड
ग॥ पालायाम॥ अ॥ १५ ॥ क॥ २३ ॥ य॥ १० ॥ ठू॥ गिपुल्लायाम॥
॥ ॥ अ॥ न॥ अ॥ रु॥ मु॥ डी॥ रु॥ चि॥ ली॥ पा॥ न॥ मू॥ द॥ य॥ वी॥ क॥ वि॥ शी॥ क॥
ये॥ व॥ वि॥ ज॥ न॥ द॥ ध॥ नी॥ गि॥ न॥ गी॥ अ॥ ई॥ न॥ मी॥ लि॥ स॥ न॥ नाम॥ ल॥ वि॥ न॥

वासीव॥ श्व॥ ची॥ प॥ ल॥ म॥ न॥ रु॥ न॥ रु॥ च॥ न॥ मी॥ ॥ ठू॥ गि॥ श्व॥ न॥ ॥
क॥ न॥ म॥ ॥ अ॥ गु॥ स॥ ॥ ल॥ ॥ ॥ न॥ ग॥ ल॥ क॥ ॥ रु॥ ॥ न॥ ग॥ ल॥ न॥ रु॥ न॥ ल॥ चि॥ ल॥
॥ स॥ ॥ न॥ ग॥ ल॥ न॥ न॥ रु॥ ल॥ चि॥ ल॥ श्व॥ ॥ स॥ व॥ क॥ य॥ क॥ ॥ ग॥ ॥ ॥ रु॥ ॥ न॥ ग॥ ल॥ ॥ व॥
र॥ मि॥ ल॥ रु॥ ॥ ल॥ ॥ ॥ स॥ व॥ व॥ रु॥ ॥ च॥ ॥ रु॥ ॥ न॥ ग॥ ल॥ ॥ य॥ ॥ ॥ न॥ ग॥ ल॥ ॥
म॥ ॥ न॥ ग॥ ल॥ ॥ रु॥ ॥ न॥ रु॥ स॥ ॥ व॥ ॥ रु॥ ग॥ ॥ रु॥ ॥ स॥ व॥ व॥ रु॥ ॥
प॥ ॥ रु॥ ॥ न॥ ग॥ ल॥ ॥ न॥ ॥ स॥ व॥ व॥ रु॥ नि॥ क॥ ला॥ चि॥ ॥ ॥ व॥ ॥ स॥ व॥ क॥ ला॥ पा॥
॥ रु॥ ॥ स॥ व॥ रु॥ चि॥ ॥ ॥ ॥ ॥ स॥ व॥ य॥ लि॥ ॥ न॥ ॥ स॥ व॥ चू॥ लि॥ ॥ ल॥

[illegible][illegible]

मंउका
मंरखला

कनकपुष्पे ॥ जवदुसपा ॥ ॐ नमो भगवते ॥ विद्युत्कलसचस्ये ॥
॥ स्ववदुसपा ॥ ॐ नमो भगवते ॥ नमो नारायणाय ॥ स्ववदुसपा ॥ ॐ नमो भगवते ॥
॥ ॐ नमो भगवते ॥ नमो नारायणाय ॥ स्ववदुसपा ॥ ॐ नमो भगवते ॥
नमो नारायणाय ॥ नमो नारायणाय ॥ ॐ नमो भगवते ॥ नमो नारायणाय ॥
यजुष्ये ॥ नमो नारायणाय ॥ ॐ नमो भगवते ॥ नमो नारायणाय ॥
यं धृत्वा ॥ ॐ नमो भगवते ॥ नमो नारायणाय ॥ ॐ नमो भगवते ॥
नमो नारायणाय ॥ नमो नारायणाय ॥ ॐ नमो भगवते ॥ नमो नारायणाय ॥

ध्यायनस्ये ॥ मस ॥ ॐ नमो भगवते ॥ नमो नारायणाय ॥
॥ जवदुसपा ॥ ॐ नमो भगवते ॥ नमो नारायणाय ॥ ॐ नमो भगवते ॥
॥ नमो नारायणाय ॥ नमो नारायणाय ॥ ॐ नमो भगवते ॥ नमो नारायणाय ॥
नमो नारायणाय ॥ नमो नारायणाय ॥ ॐ नमो भगवते ॥ नमो नारायणाय ॥
नमो नारायणाय ॥ ॐ नमो भगवते ॥ नमो नारायणाय ॥ ॐ नमो भगवते ॥
॥ ॐ नमो भगवते ॥ नमो नारायणाय ॥ ॐ नमो भगवते ॥ नमो नारायणाय ॥
॥ ॐ नमो भगवते ॥ नमो नारायणाय ॥ ॐ नमो भगवते ॥ नमो नारायणाय ॥
॥ ॐ नमो भगवते ॥ नमो नारायणाय ॥ ॐ नमो भगवते ॥ नमो नारायणाय ॥

15
10
5
सि॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवा ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवा ॥
तनाददि ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवा ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवा ॥
उक्ता ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवा ॥ मम श्रीविद्या गत्वेन
न्यासविनियोगः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवा ॥ ॥ अथ कन-
कगन्यासः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवा ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवा ॥
नमो भगवते वासुदेवा ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवा ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवा ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवा ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवा ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवा ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवा ॥
निकलषडंगन्यासः ॥ ॥ अथ ध्यानशास्त्रं ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवा ॥
श्रीमद्गीता च पञ्च नैष्ठिकं प्रवक्ष्यामि ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवा ॥
गजविमूखा कामरूपा सर्वरुद्राणि नाना भद्राणि सदा
सा श्रद्धा दैव्यं वचनं पदानां शृङ्खला पि न भ्रमं कदापि न
मन्विता ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवा ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवा ॥
तमस्तु रुरुगवतं नमो कर्मयोगे नमो ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवा ॥

[illegible]

शुक्राचार्ये नमः॥ नारो॥ ॐ जें जें जें ३॥ रामधामनना
 रुवेरुगवदृष्टाम्भार्ये नमः॥ अरुस॥ ॐ जें जें जें ३॥
 दूर्यत्ननकेनवरुगवदृष्टाम्भार्ये नमः॥ पादरा॥ ॐ
 जें जें जें ३॥ अरुस॥ ॐ जें जें जें ३॥
 नरुपि॥ अरुस॥ ॐ जें जें जें ३॥
 ॥ इति गुरुन्यासः॥ ॥ अथ नरुगुन्यासः॥ अरुस॥
 नरुगुन्यासः॥ अरुस॥ ॐ जें जें जें ३॥

मन्त्रं ॐ जं गं अग्निं त्रिदया देवता हृदि ॥ ॐ जं गं यं जं
वीर्यं नारो ॥ ॐ जं गं यं यं ककि १ गुक् ॥ ॐ जं गं यं यं कील
कं पाद या ॥ मम मयी विशां गत्वेन न्यास विनिर्वाण ॥ ॐ निम्
षादि न्यास ॥ ॥ अथ क न पठं ग न्यास ॥ ॐ जं गं यं जं
त्रं गुक् यं नमः ॥ ॐ जं गं यं यं नृन्नी र्ही नमः ॥ ॐ जं
जं यं यं मम मयी नमः ॥ ॐ जं गं यं यं अनामी का र्ही न
मः ॥ ॐ जं गं यं यं कनिष्ठा र्ही नमः ॥ ॐ जं गं यं यं कन
थी

ग न पृष्ठा र्ही नमः ॥ ॐ वंद्य दयादि ॥ ॐ निकल प म न्यास १
॥ ॥ अथ ध्यान ॥ विलला लानल का सवलि च लृह पिता
नूननिपा ॥ अग्निं नी मखा च पदारु यमं ॥ युगान् ॥ ॐ निष्
ने ॥ ॥ ॐ जं गं यं यं अग्निं नी देवता ये चन्द्रा र्ही नमः
॥ ललाटे ॥ ॐ जं गं यं यं ॐ ॐ रूल ली देवता ये ॐ नृ वर
॥ उवमिस्वा ॥ ॐ जं गं यं यं ॐ ॐ कलि का देवता ये रु ग ल म
सर ॥ स्वतमिस्वा ॥ ॐ जं गं यं यं यं अनामी देवता ये निम्भक
ज

15
10
5
पयरा ॥ जव जास गा ॥ उं नं जां यां उं ओं पू न व सु द व ना ये हि म क
पयरा ॥ ख व द्वा स गा ॥ उं नं जां यां कं पू द व ना ये ॥ मा ना स व र
॥ ग ल धा न गा ॥ उं नं जां यां खं गं नू ॥ स पा द व ना ये स मू ड म थ ना
ये र ॥ ज व वा ला ल गा ॥ उं नं जां यां घं दं म द व ना ये उं वि ध ड
गा य र ॥ ख व वा स् ॥ उं नं जां यां चं पू र्व रु क्तु ना द व ना ये क
ला नि ध य र ॥ ज व चू ला ॥ उं नं जां यां कं उं उं रु क्तु च ला लु ल
न म न ॥ प य र ॥ ख व चू ला ॥ ॥ ॥ उं नं जां यां मं रु द स म ये

प य र ॥ ज व रु द ला ॥ उं नं जां यां टं ० चि ना ये पू षा य र ॥ ख
व रु द ला ॥ उं नं जां यां उं स्या ये रु द य र ॥ ज व दू द ॥ उं नं जां
यां नं ला वि भा वा ये रु द य र ॥ ख व दू द ॥ उं नं जां यां नं थं
दं नू न चा ध ये नू न जा ये र ॥ नू रि ॥ उं नं जां यां धं य द
ये थ न य र ॥ ज व चू क पी ॥ उं नं जां यां नं यं दं मू ला य म ग
ध य र ॥ ख व चू क लि ॥ उं नं जां यां तं पू र्वो पा दा ये म ग
न र ॥ ज व क ल ॥ उं नं जां यां रुं ड ल ना पा दा ये कान्ता य र

[illegible]

वैष्णविदविश्रागच्छरं मीपूजांगद्वारं ध्यापदविः
कीसपनमधापदूधापनरधनञ्जलिनमश्चामूलं
धामरुगिपूचसूचनीदवीवचदविञ्जुंरं लंगेधं कू
दधनं परं मलिपूचलाकिनीमनिपूचनाधुगोपाद
कां ॥ श्रावचल ॥ ॐ नैजोशोउं जमयेनम ॥ ॐ नैजोशोउं रुका
त्ये ॥ ॐ नैजोशो ललकानित्ये ॥ ॐ नैजोशो नंतामस्ये ॥
ॐ नैजोशो थं धनदये ॥ ॐ नैजोशो दं दारात्ये ॥ ॐ

नैजोशो धं धये ॥ ॐ नैजोशो नंतादये ॥ ॐ नैजोशो पं पाव
त्ये ॥ ॐ नैजोशो रुं रुका नित्ये नम ॥ पूर्वकं नयाय ॥
अथ धन ॥ कृष्णदेवीविकां विनयनलसिनीदं धिनीमृग
चपावडीगकिंचदं जलयावलकधनीदं दवाभदधनां ध्या
लात्तारिस्त्रपदभदसविलसकलिकलाकिनीनां मीस
सो गेजुकात्मकददयवर्गिमीस नसाधकं रु ॥ ॐ ति
मलिपूचलचकसलाकिनीन्यास ॥ ॥ लिंगस ॥ ॐ

ॐ डों डों काँ काँ केँ केँ क१ काँ काकिनी माँ जङ्गर मम मम
भङ्गु जङ्गर सर्व सत्त्व वगी क पु विदवी आगस्तुर ॐ मी वृञ्ज
गङ्गार जङ्गान् विद्विज्ञां स१ धा १ जङ्गान् जङ्गान् जङ्गान् दिनम
मम ॐ ॐ ॐ ॐ मम हा विपूच सुन्दरी दती वचन विज्वरं
मयं न लं ॐ स्वाधिस्तान पी ॐ स्वाधिस्तान काकिनी स्वा
धिस्तान ॐ नाथ देव धीपादू काँ ॥ आवचल ॥ ॐ ॐ डों
शिवं वाधि नमः ॥ ॐ डों डों रुद्र काँ ॥ ॐ ॐ डों डों
ॐ

मम हा मय २ ॥ ॐ ॐ डों डों राय सस्त्रि न्ये २ ॥ ॐ ॐ डों डों नम
ये २ ॥ ॐ ॐ डों डों लं लं ताक्षे नमः ॥ पूर्व काथन दूरा के ॥ ॥
अथ ध्यान ॥ स्वाधिस्ताना स्वापे नमः सदल ललिने देव दकाँ
विनर्ग पीना धन्यार्नी विगिरवतु लकलारुया न्यारु वग्न
मदा धनु पुनि शमलि मदे मदि नां तन्दि निहा दिविनी दध
चे सके विस्म मरु रुद्र काँ काकिनी रावय रू ॥ ॐ नि
स्वाधिस्तान सकाकिनी न्यास ॥ ॥ मला धन स ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो
भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो
भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो
भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो
भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो
भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible][illegible]

२॥ स्वतः कपाल ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 कायर ॥ स्वतः कपाल ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ स्वतः कपाल ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ स्वतः कपाल ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 कृष्णाय नमः ॥ स्वतः कपाल ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ स्वतः कपाल ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 दिक्षादसंन्यासि नृपि त्वां श्रीमद्विष्णुं नमस्कृत्य नमः ॥ सः

श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 सा नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 कृष्णाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 किल कर्मादया ॥ मम श्रीविद्या गन्धर्वन्यास विनिरोगा ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

15
10
गकपीभयर॥ जवढागाल॥ ॐ नुं जां गीं २ चकामपीभयर
र॥ खवढागाल॥ ॐ नुं जां गीं च निमानपीभयर॥ धधुम्भ
गुसि॥ ॐ नुं जां गीं च कामकादपीभयर॥ कधुम्भसि॥ ॐ
नुं जां गीं ठो के लपीभयर॥ धधुता॥ ॐ नुं जां गीं ठो रुगु
नपीभयर॥ कधुता॥ ॐ नुं जां गीं जू क दालपीभयर॥ धी
का॥ ॐ नुं जां गीं जू च नु पनपीभयर॥ मसुभा॥ ॐ नुं जां गीं
कं गीपीभयर॥ जवढाहा॥ ॐ नुं जां गीं खंडो कानपीभयर॥

5
जवचूला॥ ॐ नुं जां गीं गं जालं धनपीभयर॥ जवकचला॥ १६
ॐ नुं जां गीं घं मालवपीभयर॥ जवकालापी॥ ॐ नुं जां गीं
ढं कालान्धकपीभयर॥ जवकाचा॥ ॐ नुं जां गीं चंदवीका
दपीभयर॥ खवढाहा॥ ॐ नुं जां गीं चं लमकपीभयर॥ २॥
खवचूला॥ ॐ नुं जां गीं जं मन्नं गं नपीभयर॥ खवकचला
॥ ॐ नुं जां गीं मं न्द्रहासपीभयर॥ खवकालापी॥ ॐ नुं जां गीं
शं विनजपीभयर॥ खवकालापी॥ ॐ नुं जां गीं टं नाजगदपीभ

15
10
5
यरा। जवत्तुल्लि॥ ॐ नैकोशी ॐ महाप ० पी भयर। जवत्तुल्लि॥
ॐ नैकोशी ॐ कालगिनी पी भयर। जवत्तु ०॥ ॐ नैकोशी दंत्या
पूज पी भयर। जवत्तुल्लि॥ ॐ नैकोशी लं कालगच पी भय
र। जवत्तुल्लि॥ ॐ नैकोशी गजसनी पी भयर॥ स्वत्तुल्लि॥ ॐ नैकोशी
दंत्याल्लि॥ ॐ नैकोशी धं उरुनी पी भयर॥ स्वत्तुल्लि॥ ॐ नैकोशी
दंत्याल्लि॥ ॐ नैकोशी धं क्षापूज पी
भयर॥ स्वत्तुल्लि॥ ॐ नैकोशी नंदुस्मिना पूज पी भयर

॥ स्वत्तुल्लि॥ ॐ नैकोशी धं उरुनी पी भयर। जवत्तुल्लि॥ ॐ
नैकोशी रुपयाग पी भयर॥ स्वत्तुल्लि॥ ॐ नैकोशी वं वक्षी
पी भयर॥ दग्गु॥ ॐ नैकोशी रुं माया पूज पी भयर॥ नाहि
॥ ॐ नैकोशी मं मंगल गिनी पी भयर॥ नृगल॥ ॐ नैकोशी
यं लपी भयर॥ नृगल॥ ॐ नैकोशी नं मंगल गिनी पी भयर
॥ जवत्तुल्लि॥ ॐ नैकोशी लं मंदु पी भयर॥ स्वत्तुल्लि॥ ॐ
नैकोशी वं तामपूज पी भयर॥ मिलखा॥ ॐ नैकोशी मं दिनः



15

[illegible]

90

5

यायेणायेर॥ आनन्दकन्यार॥ सविनार॥ समर्चनत्वात्म
नर॥ पद्मार॥ एकनिरापणं हार॥ विकाचमयके भयहार
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ सर्वगत्वात्मनः परमेश्वर
कार्यर॥ सिद्धिदायक॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ
सामं मधुलाय॥ मन्त्रिणमधुलाय॥ संप्रदायत्वात्मनः सत्त्वाय
राजं प्रदत्तात्मनः पद्म॥ नीमादात्मनः नमः सर॥ श्री आत्मनः
॥ श्री नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ कल

कार्यसिद्धिदं मधुलाय॥ स्नानगत्वाय॥ मायागत्वाय॥ कला
गत्वात्मनः॥ विद्यागत्वात्मनः॥ पद्मगत्वात्मनः॥ गंगाधर
लोकेश्वर॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ क्रियागत्वाय॥ कामिनीग
गत्वाय॥ कामदगत्वाय॥ जनिगत्वाय॥ पिनिगत्वाय॥ आनन्द
गत्वाय॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
दक्षिणमधुलाय॥ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
सर्वभक्ति कमलासनार्यनमः॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ विनय

गीक मुय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ को ल के पाद य ॥ म म ग
 ० ॥ अथ कचन्या स ॥ ४ अ म ध मा लार ॥ ४ श्री अ न मि का र्था
 र ॥ ४ सो क नि षा र्था र ॥ ४ अ न अ ष षा र्था र ॥ ४ अ न न र्ज नी र्था
 र ॥ ४ सो ४ क च न ग न प षा र्था र ॥ ॐ न क च न्या स ॥ ॥
 अथ षडंग न्या स ॥ ४ न कु स र्व ग कि ध म न रु द या य र ॥
 ४ कु न्नी नि ल र पि ॥ ४ ग कि ध म न गि न स ख र ॥ ४ सो
 ४ कु न्नी अ न दि वी ध ॥ ग कि ध म न गि र व र व ष ॥
 ४ कु न्नी

४ न कु स ग न ग कि ध म न क व च रा द ॥ ४ कु न्नी नि ल म
 ल ॥ ४ फ ग कि ध म न न ग न या र वी ष ॥ ४ सो ४ कु स्री अ न
 न ग ॥ कि ध म न अ म रा रु ॥ ॐ न वी ष ड ग ॥ ४ कु न्या
 स ॥ ॥ अथ षडंग स न न्या स ॥ ४ अ न्ना सो ४ गि प न
 स्र व व र्वा स न रा न म था पा १ स ॥ ४ न कु सो ४ गि प न
 ची पा ना म्बू ज स ना य र ॥ ४ स ॥ ४ कु सो ४ गि प न स न्द
 नी द या स ना य र ॥ र व ल ॥ ४ ह कु सो ४ गि प न वा सि नी

[illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ पादोऽष्टाङ्गं निशान्तं च न्यासः ॥

अथ चतुर्विध न्यासः ॥ १ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

अथ नवात्मक न्यासः ॥ ॐ जो शं कुं सो हं अमृतं ॥ ॐ
जो शं कुं सो हं अमृतं ॥ ॐ जो शं कुं सो हं अमृतं ॥ ॐ
ह्यं ॥ ॐ जो शं कुं सो हं अमृतं ॥ ॐ जो शं कुं सो हं अमृतं ॥
अनामिका ह्यं ॥ ॐ जो शं कुं सो हं अमृतं ॥ ॐ जो शं कुं सो हं अमृतं ॥
अंकज न्यास पादकोऽष्टाङ्गं निशान्तं च न्यासः ॥ ॥ अथ

षष्ठ न्यासः ॥ ॐ जो शं कुं सो हं अमृतं ॥ ॐ जो शं कुं सो हं अमृतं ॥
दयादिः ॥ ॐ निशान्तं च न्यासः ॥ ॐ जो शं कुं सो हं अमृतं ॥
न्यास पादकोऽष्टाङ्गं निशान्तं च न्यासः ॥ ॐ जो शं कुं सो हं अमृतं ॥
शं कुं सो हं अमृतं ॥ ॐ जो शं कुं सो हं अमृतं ॥ ॐ जो शं कुं सो हं अमृतं ॥
रास पादकोऽष्टाङ्गं निशान्तं च न्यासः ॥ ॐ जो शं कुं सो हं अमृतं ॥
शं कुं सो हं अमृतं ॥ ॐ जो शं कुं सो हं अमृतं ॥ ॐ जो शं कुं सो हं अमृतं ॥
॥ ॐ जो शं कुं सो हं अमृतं ॥ ॐ जो शं कुं सो हं अमृतं ॥ ॐ जो शं कुं सो हं अमृतं ॥

दह्यासः॥ ॥ गच्छिन्त्यासः॥ । अद्यालन्यासः॥ उंजो
 शोङ्कुं सोत्रधापजो दह्याय नमः॥ लंजो शोङ्कुं सोत्रधा
 पजो गिपसस्यारु॥ लंजो शोङ्कुं सोत्रधापधान्कनदुर्
 मिषाय दोषट्॥ लंजो शोङ्कुं सोत्रधेनसर्वसर्वेकवच
 यदुः॥ लंजो शोङ्कुं सोत्रसः॥ लंजो नगुयाय वषट्॥ लं
 जो शोङ्कुं सोत्रद्वेपदं॥ अमारुहट्॥ एति अद्यालन्या
 सः॥ ॥ वादभज न्यासः॥ ॥ वेङ्ग न्यासः॥ ॥

मालिनीन्यासः॥ ॥ मालिनीषडंगः॥ सदनासिन्यास
 ॥ ॥ सदनासिखट्टः॥ ॥ लंजो शोङ्कुं सोत्रकालि
 हाकालिमासः॥ मालिनराजनिजोङ्कुं नकदेषु मुरवीदवी
 ममाग्र्यः॥ अनुगतवनशीदुदरादूनीदुदयपादकां॥ दह
 यथां लंजो शोङ्कुं सोत्रनमारुगतनी॥ चालीन्रीधालमांस
 हदलीकपालखट्टाक्षजलीरुनरदरुपचरममग
 यसरमाचरदुः॥ रुट्टीमिनादूनीमिपसिपादकां॥

गिलसिशा नै जां धां कुं सों मां कुं नुं धागिखादू नीगिखाया
पादू कां गागिखा शा नै जां धां ॐ ॐ ॐ ॐ सों उलाहियासि
मां अशर्वपद वि सं च ठि अदिनी अउ ला ख अशर्वद ० रु
लदि अशु अशु कवचदू नी कवच पादू कां गा कवचा नै जां
धां कुं सों न के रमरा न के चामू ॐ ग्व नी अ व न च र खार
गानगदू नी नग पादू कां गानग शा नै जां धां कुं सों रु क
कं ॐ ॐ ॐ ॐ मम सर्वो पदवानरा नु मनु च लो य पु या न

[illegible]

15
10
5
ॐ ह्रीं क्लोमायाय सुं नत्त स्वर्ग लाक हाग गज गमि स्वर्ग ला
क न्म न संचा तिलि स्वर्ग नन्द दव स्वर्ग म्मा व नी स ल क
काटि सिद्धि वनि ग ल क काटि या गि नी था पा दू कां भाल ला
८ ॥ जं को थां ह्रीं क्लोमादिनी पूं नत्त पवन लाक हाग गज ग
मिनि पवन लाक न्म न संचा तिलि पवन नन्द दव पव ना
म्मा पा ७ ग ल क काटि सिद्धि पा ८ ग ल क काटि या गि नीः
था पा दू कां भादू दी ॥ जं को थां ह्रीं क्लोमा नाया सुं नत्त मग ना

क हाग गज गमि निम लो क न्म न संचा तिलि म लानन्द
दव म लाम्मा न्म ल क काटि सिद्धि न्म ल क काटि या गि नी थी
पा दू कां भा ना रो ॥ जं को थां ह्रीं क्लोमां ग म यी न्म नत्त नाग
लाक हाग गज गमि नी नाग लाक न्म न संचा तिलि नाग
नन्द दव नाग म्मा च नु जं क काटि सिद्धि च नु जं क काटि या नी
था पा दू कां ॥ गु क स ॥ जं को थां ह्रीं क्लोमां न्म नत्त न्म न
नील न्म न न लाक हाग गज गमि नी न्म न न लाक न्म न संचा

रात्रि लीत्र ननानन्द देव ननानामा नननलक काटि सि
धि नननलक काटि यानी शी पाद कां ॥ गिल सि ॥ ॐ ति
पत्त पशु कन्या सभा ॥ ॥ पूरु ननानामा न्या सभा ॥ ॥
अथ ननानामा न्या सभा नुं जां शी कुं सो जां जां कुं ॥ ४५ सु नर ॥
दुदय ॥ नुं जां शी कुं सो धा नर नन नर नर ॥ गिल सि ॥ नुं
जां शी कुं सो च नर पुच नर गिरायां शी पाद कां ॥ नुं जां शी कुं
सो कदर वमर कव वाय ॥ नुं जां शी कुं सो दमर घा नर नर

॥ शी पाद कां ॥ नुं जां शी कुं सो विद्या नर विद्यार दं ॥ ४६ नर
मुय शी पाद कां ॥ ॐ ति ननानामा न्या सभा ॥ ॥ अथ नुं का
कलिषा ॥ नुं जां शी कुं सो को नासा पूट दरा पाद कां ॥ नुं जां
शी कुं सो को मुख शी पाद कां ॥ नुं जां शी कुं सो राने नयाय पा
द कां ॥ नुं जां शी कुं सो सर्वात्मन शी पाद कां ॥ नुं जां शी कुं सो
नुं कर्षदय पाद कां ॥ नुं जां शी कुं सो अ पाद दय पाद कां ॥
ॐ ति नुं का कलिषा न्या सभा ॥ ॥ अथ धालिका न्या

इकीं॥ ग०॥ नैजो० धो० कुं० सो० न० र० धा० न० र० मा० ध० व० न० द० वि० म०
न० यं० च० म० अ० वि० द्वे० शी० पा० इ० की०॥ वि० न०॥ नैजो० धो० कुं० सो० न०
धा० न० र० मा० ध० व० न० द० वि० म० न० गं० म० हा० ल० श्री० वि० द्वे० शी० पा० इ० की०॥
गि० ल० सि०॥ ग०॥ नि० मा० र० ख० उ० न्या० स०॥ ॥ न० र० थ० णि० ख० अ०
न्या० स०॥ नैजो० धो० कुं० सो० न० म० ग्वा० म० अ० उ० ल० ता० न० पा० इ० की०॥ नैजो०
धो० कुं० सो० उ० द० क० म० उ० क० ल० पा० इ० की०॥ नैजो० धो० कुं० सो० द० लि० ग० मि०
ख० द० गि० खा० रा० पा० इ० की०॥ नैजो० धो० कुं० सो० पि० ग० ल० उ० व० द० इ० वि०

पाइ कां॥ जं॥ जां॥ धूं॥ सो॥ वि॥ क॥ दे॥ छ॥ उं॥ ड॥ द्या॥ पा॥ इ॥ कां॥ जां॥
जां॥ धूं॥ सो॥ क॥ दे॥ र॥ उं॥ न॥ रा॥ या॥ पा॥ इ॥ कां॥ जां॥ जां॥ धूं॥ सो॥ मा॥ स॥ ल॥
नि॥ ग॥ म॥ स॥ ल॥ व॥ सा॥ पि॥ र॥ उं॥ न॥ स॥ ना॥ यां॥ पा॥ इ॥ कां॥ जां॥ जां॥ धूं॥ सो॥
रु॥ न॥ र॥ उं॥ न॥ म॥ भ॥ पा॥ इ॥ कां॥ जां॥ जां॥ धूं॥ सो॥ न॥ ल॥ र॥ उं॥ वा॥ इ॥ द॥
या॥ पा॥ इ॥ कां॥ जां॥ जां॥ धूं॥ सो॥ वि॥ क॥ र॥ उं॥ क॥ ल॥ य॥ थो॥ पा॥ इ॥ कां॥
जां॥ जां॥ धूं॥ सो॥ मा॥ या॥ गै॥ न॥ क॥ च॥ प॥ स॥ द॥ म॥ प॥ लि॥ व॥ लि॥ नी॥ जां॥ उं॥ क॥
ल॥ क॥ क॥ य॥ थो॥ पा॥ इ॥ कां॥ जां॥ जां॥ धूं॥ सो॥ न॥ न॥ द॥ र॥ उं॥ द॥ दि॥ पा॥ इ॥ कां॥

5

॥ जंजां यं कुं सो ह न रं न रो पाइ कां ॥ जंजां यं कुं सो चिनि
रं नि न वा ॥ जंजां यं कुं सो ह लि रं क यं ॥ जंजां यं हि
चि रं लिं ॥ जंजां यं कुं सो ह्नि द रं उ य ॥ जंजां यं
कुं सो ग स नी रं द रं ग नो पाइ कां ॥ जंजां यं कुं सो उ
म लि उ वामे ग य ॥ जंजां यं कुं सो वि डा वि लि रं उ प
का ॥ जंजां यं कुं सो श रि लि रं द रं जानू ॥ जंजां यं
कुं सो मा लि नि र वाम जानू ॥ जंजां यं कुं सो सी वि व नि र

५२
रं द रं जं य ॥ जंजां यं कुं सो ह लि रं वाम जं य ॥ जंजां
यं कुं सो ग लि रं द रं उ य ॥ जंजां यं कुं सो ह लि रं
उ य ॥ जंजां यं कुं सो ह लि रं द रं पाद ॥ जंजां
यं कुं सो न मा मा ह अ व च न उ वाम पाद ॥ जंजां यं कुं
सो चाम् (बु व ल द वि वे रं पा दी गु ष था ॥ नि म नु ख उ
या स ॥ नि ख अ न्या स ॥ ॥ ज य ती डा यं कुं न्या
स ॥ जंजां यं कुं सो ज ल ला द पाइ कां ॥ जंजां यं कुं सो रं क

ॐ पादकांशां जंकांशां कुं सोऽं मूरपादकांशां जंकांशां कुं
 सोऽं गुं पादकांशां जंकांशां कुं सोऽं पादकांशां पादकांशां
 ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ अथ दक्षिणार्धं ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

किं नो गुणपुलिविश्वनन्ददत्तपादकांशां रुदिशां जंकांशां
 कुं सोऽं जंकांशां कुं वव्वपगिरिवाङ्मूतवर्माधि सांलीलं लम् म
 निपुलला किं नो महापुलिष्वी भनन्ददत्तपादकांशां ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

2.5

नं र गाजववादा गां नं कौ सों ४ लं सों कौ सों २ ॥ खववादा गा
 नं कौ सों ४ वं सों कौ नं २ ॥ मिलखा गां नं कौ सों ४ मं सों कौ नं २
 गाजवया क गां नं कौ सों ४ वं सों कौ नं २ ॥ खवया क गां नं कौ
 सों ४ सं सों कौ नं २ ॥ नगलनलखं गां नं कौ सों ४ लं सों कौ नं
 २ ॥ नगलननु निखं गां नं कौ सों ४ लं सों कौ नं २ ॥ नगल
 क गां नं कौ सों ४ सों कौ नं नम गां मख गां नं कौ सों ४ नं
 वूं वूं उडु जम १ ॥ नं नं उं उं नं नं ४ कं खं गं घं ढं चं छं

[illegible]

15

09

5

लंकं सुं जी लं रुं कं सुं रुं जी लं ॐ नं कं २ ॥ ज व गु ० ॥ ॐ नं जी
पी का १ २ जी लं कं सुं जी लं रुं कं सुं रुं जी लं ॐ नं कं २ ॥ ज
व क्मा ला य ॥ ॐ नं जी पी का १ २ जी लं कं सुं जी लं रुं कं
सुं रुं जी लं ॐ नं कं २ ॥ ज व क्मा ला य ॥ ॐ नं जी पी का १ २
नं जी लं कं सुं जी लं रुं कं सुं रुं जी लं ॐ नं कं २ ॥ ख व चू क
लि ॥ ॐ नं जी पी का १ २ जी लं कं सुं जी लं रुं कं सुं जी लं ॐ
नं कं २ ॥ ख व पू लि ॥ ॐ नं जी पी का १ २ जी लं कं सुं जी लं

रुं कं सुं रुं जी लं ॐ नं कं २ ॥ ख व गु ० ॥ ॐ नं जी पी का १ २
जी लं कं सुं जी लं रुं कं सुं रुं जी लं ॐ नं कं २ ॥ ख ज क्मा ला य
॥ ॐ नं जी पी का १ २ नं जी लं कं सुं जी लं रुं कं सुं रुं जी लं ॐ
नं कं २ ॥ ख व क्मा ला य ॥ ॐ नं जी पी का १ २ य जी लं कं सुं
जी लं रुं कं सुं रुं जी लं ॐ नं कं २ ॥ ज व व क्मा ॥ ॐ नं जी पी का १ २
रुं जी लं कं सुं जी लं रुं कं सुं रुं जी लं ॐ नं कं २ ॥ ख व व क्मा ॥ ॐ
नं जी पी का १ २ वं जी लं कं सुं जी लं रुं कं सुं रुं जी लं ॐ नं कं २ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

संरुं जीलं ॐ चं कं २ ॥ मिलखा ॥ ॐ नं जीं कं १ गं जीं
लं कं सं जीलं रुं कं संरुं जीलं ॐ चं कं २ ॥ जिवया ॥ ॐ नं
जीं का १ षं जीलं लं कं सं जीलं रुं कं संरुं जीलं ॐ चं कं २ ॥ अ
वया ॥ ॐ नं जीं कं १ गं सं जीलं लं कं सं जीलं रुं कं संरुं जी
लं ॐ चं कं २ ॥ नृगलनलारुलं ॥ ॐ नं जीं का १ रुं जी
लं कं सं जीलं रुं कं संरुं जीलं ॐ चं कं २ ॥ नृगलनगुनिलं
॥ ॐ नं जीं का १ लं जीलं लं कं सं जीलं रुं कं संरुं जीलं ॐ

ॐ कं र ॥ नृगल क ॥ ॐ ॐ जो शो क ॥ ॐ जो लं कं सं जो लं रं कं
सं रं जो लं ॐ ॐ कं नम ॥ मुख ॥ ॐ ॐ जो शो क ॥ ॐ जो लं कं
सं जो लं रं कं सं रं जो लं ॐ ॐ कं श ॥ सर्वा क या प कं ॥ ॐ
निशा विद्या पूरि त मारु कान्या स ॥ ॥ लिप ल रं वि ॥
न्या स ॥ पा न्या म ॥ त्र लं न्या स ॥ ॥ त्र ध उ ग च ॥
न्या स ॥ पा न्या म ॥ क न प ठ ग ॥ ॥ ॥
त्र धा न्या स ॥ ॐ जो मी कं रं ॐ ॐ जो मी कं रं

नम ॥ गिल सि ॥ ॐ जो मी कं रं ॐ ॐ जो मी कं रं नम ॥
रं ॥ ॐ जो मी कं रं ॐ ॐ जो मी कं रं नम ॥ ॐ क न ग
॥ ॐ जो मी कं रं ॐ ॐ जो मी कं रं नम ॥ ताम न ग ॥
ॐ जो मी कं रं ॐ ॐ जो मी कं रं नम ॥ द क क ॥ ॐ
जो मी कं ॐ ॐ जो मी कं रं नम ॥ ताम क ॥ ॐ जो मी कं
रं ॐ ॐ जो मी कं नम ॥ द क ग ॥ ॐ जो मी कं रं ॐ ॐ जो
मी कं रं नम ॥ वाम ग ॥ ॐ जो मी कं रं ॐ ॐ जो मी कं

रुनमशादनासापू॥ ॐ श्रीमद्गुरु २ ॐ श्रीमद्गुरु
रुनमशावामनासापू॥ ॐ श्रीमद्गुरु ३ ॐ श्रीमद्गुरु
रुनमशाधधुसि॥ ॐ श्रीमद्गुरु ४ ॐ श्रीमद्गुरु
नमशाधधुसि॥ ॐ श्रीमद्गुरु ५ ॐ श्रीमद्गुरु
नमशाधधुवा ॥ ॐ श्रीमद्गुरु ६ ॐ श्रीमद्गुरु नम॥
कधवा ॥ ॐ श्रीमद्गुरु ७ ॐ श्रीमद्गुरु नमशा नम॥
ॐ श्रीमद्गुरु ८ ॐ श्रीमद्गुरु नमशा गिका ॥ ॐ श्री

मद्गुरु ९ ॐ श्रीमद्गुरु नमशा जववाला ॥ ॐ श्रीमद्गुरु
रु १० ॐ श्रीमद्गुरु नमशा जववाला ॥ ॐ श्रीमद्गुरु
ॐ श्रीमद्गुरु नमशा जववाला ॥ ॐ श्रीमद्गुरु
ध ॐ श्रीमद्गुरु नमशा जववाला ॥ ॐ श्रीमद्गुरु
रु ॐ श्रीमद्गुरु नमशा जववाला ॥ ॐ श्रीमद्गुरु
रु ॐ श्रीमद्गुरु नमशा जववाला ॥ ॐ श्रीमद्गुरु
रु ॐ श्रीमद्गुरु नमशा जववाला ॥ ॐ श्रीमद्गुरु
रु ॐ श्रीमद्गुरु नमशा जववाला ॥ ॐ श्रीमद्गुरु

नमः॥ खवकाला॥ ॐ ज्ञोमीक्षरुत् ॐ ज्ञोमीक्षरुत् नमः॥
॥ खवकाला॥ ॐ ज्ञोमीक्षरुत् ॐ ज्ञोमीक्षरुत् नमः॥
खवकाला॥ ॐ ज्ञोमीक्षरुत् ॐ ज्ञोमीक्षरुत् नमः॥ जव
चक्रलि॥ ॐ ज्ञोमीक्षरुत् ॐ ज्ञोमीक्षरुत् नमः॥ जवपूति
॥ ॐ ज्ञोमीक्षरुत् ॐ ज्ञोमीक्षरुत् नमः॥ जवगु॥ ॐ ज्ञो
मीक्षरुत् ॐ ज्ञोमीक्षरुत् नमः॥ जवका॥ ॐ ज्ञोमीक्ष
रुत् ॐ ज्ञोमीक्षरुत् नमः॥ जवका॥ ॐ ज्ञोमीक्षरुत् न

ॐ ज्ञोमीक्षरुत् नमः॥ खवचक्रलि॥ ॐ ज्ञोमीक्षरुत् ॐ ज्ञो
मीक्षरुत् नमः॥ खवपूति॥ ॐ ज्ञोमीक्षरुत् ॐ ज्ञोमी
क्षरुत् नमः॥ खवगु॥ ॐ ज्ञोमीक्षरुत् ॐ ज्ञोमीक्षरु
त् नमः॥ खवकाला॥ ॐ ज्ञोमीक्षरुत् ॐ ज्ञोमीक्षरु
त् नमः॥ खवका॥ ॐ ज्ञोमीक्षरुत् ॐ ज्ञोमीक्षरुत् न
मः॥ जववका॥ ॐ ज्ञोमीक्षरुत् ॐ ज्ञोमीक्षरुत् नमः॥ खव

वृक्षः॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः॥ दम्भः॥ ॐ
श्रीगणेशाय नमः॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः॥ नाहो॥ ॐ श्रीगणेशाय
नमः॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः॥ नरगलः॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः॥
यं ॐ श्रीगणेशाय नमः॥ नरगलः॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः॥
श्रीगणेशाय नमः॥ अववाहा॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः॥
रुद्रनमः॥ खववाहा॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः॥
नमः॥ मिलखा॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः॥

अवयाक॥ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ह्रीं नमः॥ खव
 याक॥ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ह्रीं नमः॥ नृगलन
 लात्वं॥ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ह्रीं नमः॥ नृगल
 नृगलित्वं॥ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ह्रीं नमः॥ नृग
 ल॥ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ह्रीं नमः॥ मूर्ख॥ॐ श्रीं
 ह्रीं क्लीं ह्रीं नमः॥ सर्वोक्ति दायकं॥ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय॥ ॥ ॥

त्रयसिद्धिलयास ॥ त्रयशसिद्धिलम्बानवाक्रीमनुस्यप
जापतिमषित्रनरुद्धन्दशसिद्धिलम्बानवाक्रीमनुस्यप
शक्तिः किलकचतुर्विधपूरषाथैजपविनिधाग ॥ ॐ नि
मषादिन्यास ॥ ॥ त्रयकनषमउद्धन्यास ॥ ॐ सुक
लग्नपमनित्रमुयरुद्ध ॥ ॐ जीर्णुषाह्यनम ॥ ॐ हा
नर्जनीह्यनम ॥ ॐ मधमाह्यनम ॥ ॐ त्रनामिकाह्यन
नम ॥ ॐ कनिषाह्यनम ॥ ॐ सुकलग्नपमथनीक

चननपृषाह्यनम ॥ चर्वददयादि ॥ ॐ निनवाक्रीन्या
स ॥ ॥ त्रयददंन्यास ॥ ॐ उद्धनवा ॥ जीवकुमउल
॥ ॐ ददक ॥ ॐ हावामक ॥ ॐ जिक्का ॥ ॐ नम ॥ ॐ उद्ध
मउपे ॥ ॐ मधमाह्यनम ॥ ॐ चंददि ॥ ॐ नारो ॥ ॐ निददंन्या ॥ ॥
ॐ त्रमुयरुद्ध ॥ ॐ जीर्णुषाह्यनम ॥ ॐ नर्जनीह्यनम ॥
ॐ मधमाह्यनम ॥ ॐ त्रनामिकाह्यनम ॥ ॐ कनिषाह्य
नम ॥ ॐ चननपृषाह्यनम ॥ चर्वददयादि ॥ ॐ निन

नमो भगवते वासुदेवाय॥

॥ नृसिंहाय नमः ॥

मन्त्रस्य यजुष्यमषिगिलसिः गमयतीच्छन्दस्य नमः सुख

॥ श्रीपर्योगलासिद्धिलम्बादवतायेनमः८६ दिखु वीजारी

नमः शुद्धे जीमिने नमः पादयोः श्रीकालकाये नमः सर्वो

ममसर्वार्थसिद्धयेऽपविनियोगाच्छेतिमश्नादिन्यास

४॥ ॥ अथ कलन्यासः ॥ ॐ सकलसूक्ष्ममर्थनिष्कृ

पर ८४ ॥ ॐ ह्रीं श्रीं बुद्धं पद्ममहं गिनि सर्वगं किनाथं श्रीं गुरुं ॥

स्वनिमा॥ ॐ ह्रीं श्रीं नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ऊनीत्यांनमः॥ॐ ह्रीं श्रीं खूं विस्वभाषवपु समनी नूनादिव

धनकिनाथमन्त्रमाह्वयनमः॥ॐ ह्रीं श्रीं सुं सकलदलिनानि

[illegible]

जोगभेदुं सत्रोपदाम्भिनलनीत्यमरुफगकिनाथकनिष्ठायां

नमः॥ ज्वरद्वययादि॥ गुरुनिकलषउक्तन्यास॥ ॥

अथ वक्रं न्यास ॥ ॐ कौंठौ स्वैः ॐ नमः सर्वसिद्धिदायिनी

15
10
5
ॐ ह्रीं वक्राय नमः ॥ ॐ ह्रीं शीर्षे सर्वसिद्धिमारुकेत्याप
वक्राय नमः ॥ ॐ ह्रीं शीर्षे नृमानिद्यादिगानन्दनीदिताय
दक्षिणवक्राय नमः ॥ ॐ ह्रीं शीर्षे सकलकलचक्रनायिका
राजवक्राय नमः ॥ ॐ ह्रीं शीर्षे रुगवतीचतुकापालिनी
पश्चिमवक्राय नमः ॥ ॐ ह्रीं शीर्षे नमः सिद्धियागिनी स्वाप
नापवक्राय नमः ॥ इति वक्रं न्यासः ॥ ॥ ॥
अथ एकेकालि न्यासः ॥

॥ सा लभ्यामः ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ॥ ॥
स्वाहा नमः ॥ ॐ ह्रीं कनिष्ठायां नमः ॥ सिद्धिकला लि
ङ्गनामिकायां नमः ॥ ॐ ह्रीं मध्यामायां नमः ॥ मूर्ध्नि
ऊर्ध्वायां नमः ॥ नमः शिरोमुखानमः ॥ स्वाहा कनकनयनायां
नमः ॥ नवद्वारादिः ॥ ॥ ॐ ह्रीं सिद्धिकलालिदक्षि
णवक्राय नमः ॥ ॐ ह्रीं दक्षिणवक्राय नमः ॥ मूर्ध्नि नमः ॥

नाकातिकार्येनमहाहृदय॥ ॐ ह्रीं ह्रीं मां साकिनीकालि
कार्येनमहाक॥ ॐ ह्रीं ह्रीं मां साकिनीकालि
नमः॥ ललाटे॥ ॐ ह्रीं ह्रीं मां साकिनीकालि
॥ ॐ ह्रीं ह्रीं मां साकिनीकालि
यमहापी॥ सिद्धिकालेनमहा॥ ॐ ह्रीं ह्रीं मां साकिनीकालि
महापी॥ चन्द्रकालेनमहा॥ नाहो॥ ॐ ह्रीं ह्रीं मां साकिनीकालि
हापी॥ चतुर्कालेनमहाहृदय॥ ॐ ह्रीं ह्रीं मां साकिनीकालि

[illegible]

5

पाद॥ लिंग॥ ॐ श्रीं ॐ उक्तापाद॥ ॐ श्रीं ॐ ॐ मन्त्रपाद॥ ॐ
 वा॥ ॐ न ॐ वक्र॥ ॐ मन्त्र ॐ ललाटादुपानन॥ ॐ स्वा ॐ मन्त्रका
 लादने॥ मन्त्रकादियादीन॥ ॐ ला ॐ पादादिमन्त्रका॥ ॐ
 गिदिह्यास॥ ॥ अथ छिन्नलयास॥ ॐ नाहीपाद॥
 नलि॥ जीह्वपाद॥ हृदि॥ ॐ वीच्यपाद॥ ॐ गिछिन्नलयास
 ॥ ॥ अथ अमुच्यास॥ ॐ जां कपालविश्वं पूर्य रखाहा॥
 स्ववर्षिचि॥ ॐ श्रीं पाणिनममं ॐ नकदरखाहा॥ स्वकचिस॥

ॐ जां अं कृष्णनकदरखाहा॥ स्ववचूला॥ ॐ ॐ मन्त्रवालेनमा
 ह्यरखाहा॥ स्वववाहा॥ ॐ श्रीं गिच्छलनघागरखाहा॥
 जवलाया॥ ॐ श्रीं वजननगरखाहा॥ जवकाचिस॥ ॐ
 होमूकननचूर्यरखाहा॥ जवचूला॥ ॐ ॐ स्वर्वांगनयान
 लनरखाहा॥ जववाहाल॥ ॐ गिन्नमं च्यास॥ ॥
 ॐ ॐ कनयगमू असनशीपादकी॥ स्ववपातलनलस॥ ॐ ॐ
 गनयगमू असनशीपादकी॥ स्ववपाचिद॥ ॐ ॐ द्यापलय

गमू असनशीपाइकीं ॥ खवपाचिदलसि ॥ ॐ ॐ कलियुगमू
असनशीपाइकीं ॥ दलपापातनदवन ॥ ॐ ॐ मलकमू अ
सनशीपाइकीं ॥ जवपातनलस ॥ ॐ ॐ ययुर्वेदमू असन
शीपाइकीं ॥ जवपाचिद ॥ ॐ ॐ सामवेदमू असनशीपाइकीं
॥ जवरसि ॥ ॐ ॐ अथर्वनवेदमू असनशीपाइकीं ॥ जवपाग
लदवन ॥ ॐ ॐ ॐ मू असनशीपाइकीं ॥ खवगु ॥ ॐ ॐ वक्रि
मू असनशीपाइकीं ॥ जवगु ॥ ॐ ॐ यममू असनशीपाइकीं ॥

खवगमलि ॥ ॐ ॐ नेमयमू असनशीपाइकीं ॥ जवगमलि ॥ ॐ ॐ
वल्लमू असनशीपाइकीं ॥ खववृक्ष ॥ ॐ ॐ वायूमू असन
शीपाइकीं ॥ जववृक्ष ॥ ॐ ॐ धनमू असनशीपाइकीं ॥ खववृक्ष
वृक्षवन ॥ ॐ ॐ ॐ मू असनशीपाइकीं ॥ जववृक्षव
न ॥ ॐ ॐ मू असनशीपाइकीं ॥ खवपाल ॥ ॐ ॐ वक्रि
मू असनशीपाइकीं ॥ जवपाल ॥ ॐ ॐ हृषिमू असनशीपा
इकीं ॥ खवखल ॥ ॐ ॐ पलरामू असनशीपाइकीं ॥ जवख

15

10

5

0

5

10

15

20

25

